STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

मैडमैन थ्योरी : डोनाल्ड ट्रंप

की कूटनीतिक रणनीति और इसका

इतिहास

International Relations
26 Jan 2027

परिभाषा

'मैडमैन थ्योरी ' कूटनीति की एक रणनीति है जिसमें एक नेता जानबूझकर
खुद को अप्रत्याशित , आक्रामक और खतरनाक के रूप में प्रस्तुत करता
है, ताकि विरोधी देश डरकर उसकी मांगों को मान लें और टकराव से बचें.
इस सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी के मन में यह
विश्वास पैदा करना है कि नेता किसी भी हद तक जा सकता है, जिससे वे
संभावित विनाशकारी परिणामों से बचने के लिए समझौता करने को मजबूर
हो जाएं.

डोनाल्ड ट्रंप और 'मैडमैन थ्योरी '

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस 'मैडमैन थ्योरी '
का उपयोग करने वाला माना जाता है. उनके कार्यकाल के दौरान , उन्होंने
अक्सर सख्त भाषा, युद्ध की धमकियां और व्यापार शुल्क लगाकर कई
देशों को डराने की कोशिश की. ईरान और ग्रीनलैंड जैसे मुद्दों पर
उनका रुख और विभिन्न देशों के साथ उनके व्यापार युद्ध इस रणनीति के
उदाहरण माने जाते हैं. हालांकि , ट्रंप और इस सिद्धांत के मूल
प्रणेता रिचर्ड निक्सन के बीच एक बड़ा अंतर है.

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

निक्सन पर्दे के पीछे इस रणनीति का इस्तेमाल करते थे, जबकि ट्रंप
इसे खुले तौर पर दुनिया के सामने प्रदर्शित करते थे. विशेषज्ञों का
मानना है कि जहां यह रणनीति कभी -कभी बातचीत का रास्ता खोल सकती है,
वहीं यह अक्सर अस्थायी होती है और मित्र देशों के बीच भी अविश्वास
पैदा करती है, जिससे वैश्विक अस्थिरता बढ़ सकती है. कुछ विश्लेषकों
का यह भी मानना है कि ट्रंप के खुले तौर पर इस रणनीति को अपनाने से
दुनिया ने उन्हें गंभीरता से लेना कम कर दिया था.

इससे पहले किन नेताओं ने अपनाई और अंजाम क्या रहा?

'मैडमैन थ्योरी ' का इस्तेमाल करने वाले कुछ प्रमुख नेता और उनके
अनुभव इस प्रकार हैं:

1. रिचर्ड निक्सन (अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति): निक्सन ने 1969
में वियतनाम युद्ध के दौरान इस सिद्धांत को सबसे पहले बड़े
पैमाने पर अपनाया था. उनका लक्ष्य उत्तरी वियतनाम को यह
विश्वास दिलाना था कि वे परमाणु हमले जैसे चरम कदम उठा सकते हैं
, ताकि वे अमेरिका की शर्तों पर समझौते के लिए मजबूर हो जाएं.
2. किम जोंग -उन (उत्तर कोरिया के नेता): किम जोंग -उन भी इस रणनीति का
उपयोग करते हैं. वे लगातार मिसाइल परीक्षण करते हैं और आक्रामक
भाषा का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन अचानक बातचीत की पेशकश भी
करते हैं. इस अनिश्चित व्यवहार से दुनिया को यह समझ नहीं आता कि
उत्तर कोरिया वास्तव में क्या चाहता है, जिससे वह वैश्विक
सुरक्षा चर्चाओं के केंद्र में बना रहता है और बड़े देशों को
उससे बातचीत करने के लिए मजबूर होना पड़ता है.
3. निकिता ख्रुश्चेव (सोवियत संघ के पूर्व नेता): शीत युद्ध के
दौरान , निकिता ख्रुश्चेव अपने अजीब और आक्रामक व्यवहार के लिए
जाने जाते थे. क्यूबा में मिसाइलें तैनात करने का उनका फैसला
इसी रणनीति का हिस्सा था, जिससे यह लगे कि वे किसी भी हद तक जा
सकते हैं.

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

मैडमैन थ्योरी के फायदे और नुकसान

इस सिद्धांत के कुछ संभावित फायदे हो सकते हैं, जैसे कि बिना सीधे
संघर्ष के विरोधियों को रियायतें देने के लिए मजबूर करना. यह कभी -
कभी बातचीत के रास्ते भी खोल सकता है. हालांकि , इसके कई गंभीर
नुकसान भी हैं:

यह न केवल दुश्मनों को बल्कि मित्र देशों को भी असहज कर देता है,
जिससे विश्वास की कमी आती है.
इससे वैश्विक अस्थिरता और अनिश्चितता बढ़ सकती है.
सबसे बड़ा खतरा गलतफहमी का है; यदि प्रतिद्वंद्वी भी इसी तरह
प्रतिक्रिया करता है, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है.
दीर्घकालिक संबंध केवल डर के आधार पर नहीं टिक सकते.

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias